**One Year Reading Plan (2016-2017)**

**for the Bible and Book of Concord**

*SC = Small Catechism LC = Large Catechism AC = Augsburg Confession*

*Ap = Apology SA = Smalcald Articles P&P = Power & Primacy*

*Preface = Preface to the Christian Book of Concord*

*Ep = Formula of Concord, Part I SD = Formula of Concord, Part II*

| **Wk** | **Day** | **O.T.** | **N.T.** | **Confessions** |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| 1 | Mon., Nov. 28 | Gen 1–3 | Matt 1 | [Creeds-All three](http://bocl.org/?Creeds) |
|  | Tue., Nov. 29 | Gen 4–5 | Matt 2 | SC-Preface |
|  | Wed., Nov. 30 | Gen 6–9 | Matt 3 | SC 1-3 |
|  | Thu., Dec. 1 | Gen 10–11 | Matt 4 | SC 4-6 |
|  | Fri., Dec. 2 | Gen 12–15 | Matt 5 | SC Prayers-End |
|  | Sat., Dec. 3 | Gen 16–18 |  |  |
| 2 | Mon., Dec. 5 | Gen 19–20 | Matt 6 | LC PRE 1-10 |
|  | Tue., Dec. 6 | Gen 21–23 | Matt 7 | LC PRE 11-Pre. 6 |
|  | Wed., Dec. 7 | Gen 24 | Matt 8 | LC Intro-20 |
|  | Thu., Dec. 8 | Gen 25–26 | Matt 9 | LC 1:1-15 |
|  | Fri., Dec. 9 | Gen 27–28 | Matt 10 | LC 1:16-29 |
|  | Sat., Dec. 10 | Gen 29–30 |  |  |
| 3 | Mon., Dec. 12 | Gen 31 | Matt 11 | LC 1:30-48 |
|  | Tue., Dec. 13 | Gen 32–34 | Matt 12 | LC 1:49-60 |
|  | Wed., Dec. 14 | Gen 35–36 | Matt 13 | LC 1:61-74 |
|  | Thu., Dec. 15 | Gen 37–39 | Matt 14 | LC 1:75-87 |
|  | Fri., Dec. 16 | Gen 40–41 | Matt 15 | LC 1:88-102 |
|  | Sat., Dec. 17 | Gen 42–43 |  |  |
| 4 | Mon., Dec. 19 | Gen 44–45 | Matt 16 | LC 1:103-116 |
|  | Tue., Dec. 20 | Gen 46–47 | Matt 17 | LC 1:117-133 |
|  | Wed., Dec. 21 | Gen 48–50 | Matt 18 | LC 1:134-148 |
|  | Thu., Dec. 22 | Exod 1–3 | Matt 19 | LC 1:149-165 |
|  | Fri., Dec. 23 | Exod 4:1–6:13 | Matt 20 | LC 1:166-182 |
|  | Sat., Dec. 24 | Exod 6:14–8:32 |  |  |
| 5 | Mon., Dec. 26 | Exod 9–10 | Matt 21 | LC 1:183-198 |
|  | Tue., Dec. 27 | Exod 11–13 | Matt 22 | LC 1:199-216 |
|  | Wed., Dec. 28 | Exod 14–15 | Matt 23 | LC 1:217-231 |
|  | Thu., Dec. 29 | Exod 16–18 | Matt 24 | LC 1:232-247 |
|  | Fri., Dec. 30 | Exod 19–21 | Matt 25 | LC 1:248-264 |
|  | Sat., Dec. 31 | Exod 22–24 |  |  |
| 6 | Mon., Jan. 2 | Exod 25–26 | Matt 26 | LC 1:265-278 |
|  | Tue., Jan. 3 | Exod 27–28 | Matt 27 | LC 1:279-296 |
|  | Wed., Jan. 4 | Exod 29–30 | Matt 28 | LC 1:297-310 |
|  | Thu., Jan. 5 | Exod 31–32 | Mark 1 | LC 1:311-323 |
|  | Fri., Jan. 6 | Exod 33–34 | Mark 2 | LC 1:324-2:8 |
|  | Sat., Jan. 7 | Exod 35–36 |  |  |
| 7 | Mon., Jan. 9 | Exod 37–38 | Mark 3 | LC 2:9-24 |
|  | Tue., Jan. 10 | Exod 39–40 | Mark 4 | LC 2:25-37 |
|  | Wed., Jan. 11 | Lev 1–4 | Mark 5 | LC 2:38-54 |
|  | Thu., Jan. 12 | Lev 5–7 | Mark 6 | LC 2:55-70 |
|  | Fri., Jan. 13 | Lev 8–9 | Mark 7 | LC 3:1-16 |
|  | Sat., Jan. 14 | Lev 10–11 |  |  |
| 8 | Mon., Jan. 16 | Lev 12–13 | Mark 8 | LC 3:17-34 |
|  | Tue., Jan. 17 | Lev 14–15 | Mark 9 | LC 3:35-52 |
|  | Wed., Jan. 18 | Lev 16–18 | Mark 10 | LC 3:53-67 |
|  | Thu., Jan. 19 | Lev 19–20 | Mark 11 | LC 3:68-81 |
|  | Fri., Jan. 20 | Lev 21:1–23:8 | Mark 12 | LC 3:82-98 |
|  | Sat., Jan. 21 | Lev 23:9–25:17 |  |  |
| 9 | Mon., Jan. 23 | Lev 25:18–26:46 | Mark 13 | LC 3:99-124 |
|  | Tue., Jan. 24 | Lev 27 | Mark 14 | LC 4:1-18 |
|  | Wed., Jan. 25 | Num 1:1–3:13 | Mark 15 | LC 4:19-34 |
|  | Thu., Jan. 26 | Num 3:14–4:49 | Mark 16 | LC 4:35-51 |
|  | Fri., Jan. 27 | Num 5–6 | Luke 1 | LC 4:52-70 |
|  | Sat., Jan. 28 | Num 7 |  |  |
| 10 | Mon., Jan. 30 | Num 8–10 | Luke 2 | LC 4:71-5:7 |
|  | Tue., Jan. 31 | Num 11–12 | Luke 3 | LC 5:8-30 |
|  | Wed., Feb. 1 | Num 13–14 | Luke 4 | LC 5:31-48 |
|  | Thu., Feb. 2 | Num 15:1–16:40 | Luke 5 | LC 5:49-74 |
|  | Fri., Feb. 3 | Num 16:41–18:32 | Luke 6 | LC 5:75-87 |
|  | Sat., Feb. 4 | Num 19–21 |  |  |
| 11 | Mon., Feb. 6 | Num 22:1–23:12 | Luke 7 | AC PRE 1-24 |
|  | Tue., Feb. 7 | Num 23:13–25:18 | Luke 8 | AC 1:1-5:4 |
|  | Wed., Feb. 8 | Num 26–27 | Luke 9 | AC 6:1-12:10 |
|  | Thu., Feb. 9 | Num 28–29 | Luke 10 | AC 12:1-17:5 |
|  | Fri., Feb. 10 | Num 30–31 | Luke 11 | AC 17:1-20:11 |
|  | Sat., Feb. 11 | Num 32:1–33:49 |  |  |
| 12 | Mon., Feb. 13 | Num 33:50–36:13 | Luke 12 | AC 20:12-40 |
|  | Tue., Feb. 14 | Deut 1 | Luke 13 | AC 21:1-22:12 |
|  | Wed., Feb. 15 | Deut 2:1–4:14 | Luke 14 | AC 23:1-26 |
|  | Thu., Feb. 16 | Deut 4:15–5:33 | Luke 15 | AC 24:1-41 |
|  | Fri., Feb. 17 | Deut 6–8 | Luke 16 |  |
|  | Sat., Feb. 18 | Deut 9–11 |  |  |
| 13 | Mon., Feb. 20 | Deut 12–14 | Luke 17 | AC 25:1-13 |
|  | Tue., Feb. 21 | Deut 15–17 | Luke 18 | AC 26:1-20 |
|  | Wed., Feb. 22 | Deut 18–20 | Luke 19 | AC 26:21-45 |
|  | Thu., Feb. 23 | Deut 21–23 | Luke 20 | AC 27:1-26 |
|  | Fri., Feb. 24 | Deut 24–27 | Luke 21 |  |
|  | Sat., Feb. 25 | Deut 28 |  |  |
| 14 | Mon., Feb. 27 | Deut 29:1–31:29 | Luke 22 | AC 27:27-48 |
|  | Tue., Feb. 28 | Deut 31:30–34:12 | Luke 23 | AC 27:49-28:11 |
|  | Wed., Mar. 1 | Josh 1–3 | Luke 24 | AC 28:12-38 |
|  | Thu., Mar. 2 | Josh 4–6 | John 1 | AC 28:39-60 |
|  | Fri., Mar. 3 | Josh 7–9 | John 2 | AC 28:61-End |
|  | Sat., Mar. 4 | Josh 10–11 |  |  |
| 15 | Mon., Mar. 6 | Josh 12–14 | John 3 | Ap GR-1:2 |
|  | Tue., Mar. 7 | Josh 15–16 | John 4 | Ap 2:1-14 |
|  | Wed., Mar. 8 | Josh 17:1–19:23 | John 5 | Ap 2:15-41 |
|  | Thu., Mar. 9 | Josh 19:24–21:45 | John 6 | Ap 2:42-3:52 |
|  | Fri., Mar. 10 | Josh 22–24 | John 7 | Ap 4:1-21 |
|  | Sat., Mar. 11 | Judg 1–2 |  |  |
| 16 | Mon., Mar. 13 | Judg 3–5 | John 8 | Ap 4:22-47 |
|  | Tue., Mar. 14 | Judg 6–7 | John 9 | Ap 4:48-74 |
|  | Wed., Mar. 15 | Judg 8–9 | John 10 | Ap 4:75-85 |
|  | Thu., Mar. 16 | Judg 10–11 | John 11 | Ap 4:86-102 |
|  | Fri., Mar. 17 | Judg 12–14 | John 12 | Ap 4:103-121 |
|  | Sat., Mar. 18 | Judg 15–17 |  |  |
| 17 | Mon., Mar. 20 | Judg 18–19 | John 13 | Ap 5:1-23 |
|  | Tue., Mar. 21 | Judg 20–21 | John 14 | Ap 5:24-50 |
|  | Wed., Mar. 22 | Ruth 1–4 | John 15 | Ap 5:51-67 |
|  | Thu., Mar. 23 | 1 Sam 1–2 | John 16 | Ap 5:68-89 |
|  | Fri., Mar. 24 | 1 Sam 3–7 | John 17 | Ap 5:90-107 |
|  | Sat., Mar. 25 | 1 Sam 8–10 |  |  |
| 18 | Mon., Mar. 27 | 1 Sam 11–13 | John 18 | Ap 5:108-122 |
|  | Tue., Mar. 28 | 1 Sam 14–15 | John 19 | Ap 5:123-139 |
|  | Wed., Mar. 29 | 1 Sam 16–17 | John 20 | Ap 5:140-152 |
|  | Thu., Mar. 30 | 1 Sam 18–19 | John 21 | Ap 5:153-166 |
|  | Fri., Mar. 31 | 1 Sam 20–22 | Acts 1 | Ap 5:167-176 |
|  | Sat., Apr. 1 | 1 Sam 23–25 |  |  |
| 19 | Mon., Apr. 3 | 1 Sam 26–28 | Acts 2 | Ap 5:177-194 |
|  | Tue., Apr. 4 | 1 Sam 29–31 | Acts 3 | Ap 5:195-212 |
|  | Wed., Apr. 5 | 2 Sam 1–3 | Acts 4 | Ap 5:213-226 |
|  | Thu., Apr. 6 | 2 Sam 4–7 | Acts 5 | Ap 5:227-248 |
|  | Fri., Apr. 7 | 2 Sam 8–11 | Acts 6 | Ap 5:249-256 |
|  | Sat., Apr. 8 | 2 Sam 12–13 |  |  |
| 20 | Mon., Apr. 10 | 2 Sam 14–15 | Acts 7 | Ap 5:257-279 |
|  | Tue., Apr. 11 | 2 Sam 16:1–18:18 | Acts 8 | Ap 7:1-22 |
|  | Wed., Apr. 12 | 2 Sam 18:19–20:26 | Acts 9 | Ap 7:23-37 |
|  | Thu., Apr. 13 | 2 Sam 21–22 | Acts 10 | Ap 7:38-50 |
|  | Fri., Apr. 14 | 2 Sam 23–24 | Acts 11 | Ap 9:51-10:57 |
|  | Sat., Apr. 15 | 1 Kings 1 |  |  |
| 21 | Mon., Apr. 17 | 1 Kings 2–3 | Acts 12 | Ap 11:58-67 |
|  | Tue., Apr. 18 | 1 Kings 4–6 | Acts 13 | Ap 12a:1-27 |
|  | Wed., Apr. 19 | 1 Kings 7:1–8:13 | Acts 14 | Ap 12a:28-43 |
|  | Thu., Apr. 20 | 1 Kings 8:14–9:28 | Acts 15 | Ap 12a:44-58 |
|  | Fri., Apr. 21 | 1 Kings 10–11 | Acts 16 | Ap 12a:59-67 |
|  | Sat., Apr. 22 | 1 Kings 12–13 |  |  |
| 22 | Mon., Apr. 24 | 1 Kings 14:1–16:7 | Acts 17 | Ap 12a:68-78 |
|  | Tue., Apr. 25 | 1 Kings 16:8–18:46 | Acts 18 | Ap 12a:79-90 |
|  | Wed., Apr. 26 | 1 Kings 19–20 | Acts 19 | Ap 12a:91-97 |
|  | Thu., Apr. 27 | 1 Kings 21–22 | Acts 20 | Ap 12b:1-15 |
|  | Fri., Apr. 28 | 2 Kings 1–2 | Acts 21 | Ap 12b:16-24 |
|  | Sat., Apr. 29 | 2 Kings 3–4 |  |  |
| 23 | Mon., May. 1 | 2 Kings 5–7 | Acts 22 | Ap 12b:25-35 |
|  | Tue., May. 2 | 2 Kings 8–9 | Acts 23 | Ap 12b:36-50 |
|  | Wed., May. 3 | 2 Kings 10–11 | Acts 24 | Ap 12b:51-64 |
|  | Thu., May. 4 | 2 Kings 12–14 | Acts 25 | Ap 12b:65-81 |
|  | Fri., May. 5 | 2 Kings 15:1–17:23 | Acts 26 | Ap 13:1-15 |
|  | Sat., May. 6 | 2 Kings 17:24–19:37 |  |  |
| 24 | Mon., May. 8 | 2 Kings 20–22 | Acts 27 | Ap 13:16-14:28 |
|  | Tue., May. 9 | 2 Kings 23–25 | Acts 28 | Ap 15:1-17 |
|  | Wed., May. 10 | 1 Chron 1 | Rom 1 | Ap 15:18-28 |
|  | Thu., May. 11 | 1 Chron 2–3 | Rom 2 | Ap 15:29-48 |
|  | Fri., May. 12 | 1 Chron 4–5 | Rom 3 | Ap 15:49-16:60 |
|  | Sat., May. 13 | 1 Chron 6 |  |  |
| 25 | Mon., May. 15 | 1 Chron 7:1–9:2 | Rom 4 | Ap 16:61-18:76 |
|  | Tue., May. 16 | 1 Chron 9:3–10:14 | Rom 5 | Ap 19:77-20:92 |
|  | Wed., May. 17 | 1 Chron 11–12 | Rom 6 | Ap 21:1-16 |
|  | Thu., May. 18 | 1 Chron 13–15 | Rom 7 | Ap 21:17-30 |
|  | Fri., May. 19 | 1 Chron 16–17 | Rom 8 | Ap 21:31-39 |
|  | Sat., May. 20 | 1 Chron 18–21 |  |  |
| 26 | Mon., May. 22 | 1 Chron 22–24 | Rom 9 | Ap 21:40-22:8 |
|  | Tue., May. 23 | 1 Chron 25–26 | Rom 10 | Ap 22:9-23:4 |
|  | Wed., May. 24 | 1 Chron 27–29 | Rom 11 | Ap 23:5-13 |
|  | Thu., May. 25 | 2 Chron 1–3 | Rom 12 | Ap 23:14-27 |
|  | Fri., May. 26 | 2 Chron 4–6 | Rom 13 | Ap 23:28-42 |
|  | Sat., May. 27 | 2 Chron 7–9 |  |  |
| 27 | Mon., May. 29 | 2 Chron 10:1–14:1 | Rom 14 | Ap 23:43-58 |
|  | Tue., May. 30 | 2 Chron 14:2–17:19 | Rom 15 | Ap 23:59-71 |
|  | Wed., May. 31 | 2 Chron 18–20 | Rom 16 | Ap 24:1-12 |
|  | Thu., Jun. 1 | 2 Chron 21–24 | 1 Cor 1 | Ap 24:13-24 |
|  | Fri., Jun. 2 | 2 Chron 25–28 | 1 Cor 2 | Ap 24:25-33 |
|  | Sat., Jun. 3 | 2 Chron 29–30 |  |  |
| 28 | Mon., Jun. 5 | 2 Chron 31–33 | 1 Cor 3 | Ap 24:34-43 |
|  | Tue., Jun. 6 | 2 Chron 34–36 | 1 Cor 4 | Ap 24:44-57 |
|  | Wed., Jun. 7 | Ezra 1–2 | 1 Cor 5 | Ap 24:58-70 |
|  | Thu., Jun. 8 | Ezra 3–6 | 1 Cor 6 | Ap 24:71-83 |
|  | Fri., Jun. 9 | Ezra 7–8 | 1 Cor 7 | Ap 24:84-92 |
|  | Sat., Jun. 10 | Ezra 9–10 |  |  |
| 29 | Mon., Jun. 12 | Neh 1–3 | 1 Cor 8 | Ap 24:93-99 |
|  | Tue., Jun. 13 | Neh 4:1–7:3 | 1 Cor 9 | Ap 27:1-12 |
|  | Wed., Jun. 14 | Neh 7:4–73 | 1 Cor 10 | Ap 27:13-23 |
|  | Thu., Jun. 15 | Neh 8–10 | 1 Cor 11 | Ap 27:24-33 |
|  | Fri., Jun. 16 | Neh 11:1–12:26 | 1 Cor 12 | Ap 27:34-44 |
|  | Sat., Jun. 17 | Neh 12:27–13:31 |  |  |
| 30 | Mon., Jun. 19 | Esther 1–5 | 1 Cor 13 | Ap 27:45-57 |
|  | Tue., Jun. 20 | Esther 6–10 | 1 Cor 14 | Ap 27:58-69 |
|  | Wed., Jun. 21 | Job 1–3 | 1 Cor 15 | Ap 28:1-11 |
|  | Thu., Jun. 22 | Job 4–6 | 1 Cor 16 | Ap 28:12-27 |
|  | Fri., Jun. 23 | Job 7–8 | 2 Cor 1 | SA PRE 1-15 |
|  | Sat., Jun. 24 | Job 9–11 |  |  |
| 31 | Mon., Jun. 26 | Job 12–14 | 2 Cor 2 | SA 1:I – 2:I:5 |
|  | Tue., Jun. 27 | Job 15–17 | 2 Cor 3 | SA 2:II:1-15 |
|  | Wed., Jun. 28 | Job 18–20 | 2 Cor 4 | SA 2:II:16 - III:2 |
|  | Thu., Jun. 29 | Job 21–22 | 2 Cor 5 | SA 2:IV:1-16 |
|  | Fri., Jun. 30 | Job 23–27 | 2 Cor 6 | SA 3:I:1 - II:5 |
|  | Sat., Jul. 1 | Job 28–30 |  |  |
| 32 | Mon., Jul. 3 | Job 31–32 | 2 Cor 7 | SA 3:III:1-14 |
|  | Tue., Jul. 4 | Job 33–35 | 2 Cor 8 | SA 3:III:15-26 |
|  | Wed., Jul. 5 | Job 36–37 | 2 Cor 9 | SA 3:III:27-40 |
|  | Thu., Jul. 6 | Job 38:1–40:5 | 2 Cor 10 | SA 3:III:41 - VI:5 |
|  | Fri., Jul. 7 | Job 40:6–42:17 | 2 Cor 11 | SA 3:VII:1 - VIII:13 |
|  | Sat., Jul. 8 | Ps 1–7 |  |  |
| 33 | Mon., Jul. 10 | Ps 8–14 | 2 Cor 12 | SA 3:IX:1 – XV:5 |
|  | Tue., Jul. 11 | Ps 15–18 | 2 Cor 13 | P&P 1-11 |
|  | Wed., Jul. 12 | Ps 19–22 | Gal 1 | P&P 12-24 |
|  | Thu., Jul. 13 | Ps 23–27 | Gal 2 | P&P 25-38 |
|  | Fri., Jul. 14 | Ps 28–32 | Gal 3 | P&P 39-53 |
|  | Sat., Jul. 15 | Ps 33–36 |  |  |
| 34 | Mon., Jul. 17 | Ps 37–39 | Gal 4 | P&P 54-71 |
|  | Tue., Jul. 18 | Ps 40–44 | Gal 5 | P&P 72-82 |
|  | Wed., Jul. 19 | Ps 45–49 | Gal 6 | Preface 1-6 |
|  | Thu., Jul. 20 | Ps 50–54 | Eph 1 | Preface 7-16 |
|  | Fri., Jul. 21 | Ps 55–59 | Eph 2 | Preface 17-20 |
|  | Sat., Jul. 22 | Ps 60–66 |  |  |
| 35 | Mon., Jul. 24 | Ps 67–69 | Eph 3 | Preface 21-25 |
|  | Tue., Jul. 25 | Ps 70–73 | Eph 4 | Ep – 1:10 |
|  | Wed., Jul. 26 | Ps 74–77 | Eph 5 | Ep 1:11-25 |
|  | Thu., Jul. 27 | Ps 78 | Eph 6 | Ep 2:1-15 |
|  | Fri., Jul. 28 | Ps 79–82 | Phil 1 | Ep 2:16-3:11 |
|  | Sat., Jul. 29 | Ps 83–87 |  |  |
| 36 | Mon., Jul. 31 | Ps 88–89 | Phil 2 | Ep 3:12-4:15 |
|  | Tue., Aug. 1 | Ps 90–94 | Phil 3 | Ep 4:16-5:11 |
|  | Wed., Aug. 2 | Ps 95–100 | Phil 4 | Ep 6:1-7:5 |
|  | Thu., Aug. 3 | Ps 101–103 | Col 1 | Ep 7:6-20 |
|  | Fri., Aug. 4 | Ps 104–105 | Col 2 | Ep 7:21-42 |
|  | Sat., Aug. 5 | Ps 106–107 |  |  |
| 37 | Mon., Aug. 7 | Ps 108–110 | Col 3 | Ep 8:1-15 |
|  | Tue., Aug. 8 | Ps 111–116 | Col 4 | Ep 8:16-32 |
|  | Wed., Aug. 9 | Ps 117–118 | 1 Thess 1 | Ep 8:33-10:2 |
|  | Thu., Aug. 10 | Ps 119:1–112 | 1 Thess 2 | Ep 10:3-11:3 |
|  | Fri., Aug. 11 | Ps 119:113–176 | 1 Thess 3 | Ep 11:4-15 |
|  | Sat., Aug. 12 | Ps 120–129 |  |  |
| 38 | Mon., Aug. 14 | Ps 130–136 | 1 Thess 4 | Ep 11:16-12:11 |
|  | Tue., Aug. 15 | Ps 137–143 | 1 Thess 5 | Ep 12:12-31 |
|  | Wed., Aug. 16 | Ps 144–150 | 2 Thess 1 | SD PRE 1-10 |
|  | Thu., Aug. 17 | Prov 1–2 | 2 Thess 2 | SD RULE 1-7 |
|  | Fri., Aug. 18 | Prov 3–4 | 2 Thess 3 | SD RULE 8-13 |
|  | Sat., Aug. 19 | Prov 5:1–7:5 |  |  |
| 39 | Mon., Aug. 21 | Prov 7:6–8:36 | 1 Tim 1 | SD RULE 14-20 |
|  | Tue., Aug. 22 | Prov 9–11 | 1 Tim 2 | SD 1:1-6 |
|  | Wed., Aug. 23 | Prov 12–14 | 1 Tim 3 | SD 1:7-15 |
|  | Thu., Aug. 24 | Prov 15–16 | 1 Tim 4 | SD 1:16-25 |
|  | Fri., Aug. 25 | Prov 17–19 | 1 Tim 5 | SD 1:26-32 |
|  | Sat., Aug. 26 | Prov 20:1–22:16 |  |  |
| 40 | Mon., Aug. 28 | Prov 22:17–24:34 | 1 Tim 6 | SD 1:33-42 |
|  | Tue., Aug. 29 | Prov 25–26 | 2 Tim 1 | SD 1:43-49 |
|  | Wed., Aug. 30 | Prov 27–29 | 2 Tim 2 | SD 1:50-62 |
|  | Thu., Aug. 31 | Prov 30–31 | 2 Tim 3 | SD 2:1-7 |
|  | Fri., Sep. 1 | Eccles 1–4 | 2 Tim 4 | SD 2:8-14 |
|  | Sat., Sep. 2 | Eccles 5:1–8:1 |  |  |
| 41 | Mon., Sep. 4 | Eccles 8:2–12:14 | Titus 1 | SD 2:15-19 |
|  | Tue., Sep. 5 | Song 1:1–5:1 | Titus 2 | SD 2:20-28 |
|  | Wed., Sep. 6 | Song 5:2–8:14 | Titus 3 | SD 2:29-40 |
|  | Thu., Sep. 7 | Isa 1–4 | Philem | SD 2:41-47 |
|  | Fri., Sep. 8 | Isa 5–7 | Heb 1 | SD 2:48-56 |
|  | Sat., Sep. 9 | Isa 8–10 |  |  |
| 42 | Mon., Sep. 11 | Isa 11–14 | Heb 2 | SD 2:57-64 |
|  | Tue., Sep. 12 | Isa 15–19 | Heb 3 | SD 2:65-73 |
|  | Wed., Sep. 13 | Isa 20–23 | Heb 4 | SD 2:74-83 |
|  | Thu., Sep. 14 | Isa 24–27 | Heb 5 | SD 2:84-90 |
|  | Fri., Sep. 15 | Isa 28–30 | Heb 6 | SD 3:1-7 |
|  | Sat., Sep. 16 | Isa 31–34 |  |  |
| 43 | Mon., Sep. 18 | Isa 35–37 | Heb 7 | SD 3:8-17 |
|  | Tue., Sep. 19 | Isa 38–40 | Heb 8 | SD 3:18-25 |
|  | Wed., Sep. 20 | Isa 41–43 | Heb 9 | SD 3:26-30 |
|  | Thu., Sep. 21 | Isa 44–46 | Heb 10 | SD 3:31-35 |
|  | Fri., Sep. 22 | Isa 47–50 | Heb 11 | SD 3:36-43 |
|  | Sat., Sep. 23 | Isa 51–55 |  |  |
| 44 | Mon., Sep. 25 | Isa 56–59 | Heb 12 | SD 3:44-56 |
|  | Tue., Sep. 26 | Isa 60–64 | Heb 13 | SD 3:57-67 |
|  | Wed., Sep. 27 | Isa 65–66 | James 1 | SD 4:1-8 |
|  | Thu., Sep. 28 | Jer 1:1–4:4 | James 2 | SD 4:9-18 |
|  | Fri., Sep. 29 | Jer 4:5–6:30 | James 3 | SD 4:19-32 |
|  | Sat., Sep. 30 | Jer 7–9 |  |  |
| 45 | Mon., Oct. 2 | Jer 10–12 | James 4 | SD 4:33-40 |
|  | Tue., Oct. 3 | Jer 13–15 | James 5 | SD 5:1-9 |
|  | Wed., Oct. 4 | Jer 16–18 | 1 Pet 1 | SD 5:10-19 |
|  | Thu., Oct. 5 | Jer 19–22 | 1 Pet 2 | SD 5:20-27 |
|  | Fri., Oct. 6 | Jer 23–24 | 1 Pet 3 | SD 6:1-8 |
|  | Sat., Oct. 7 | Jer 25–27 |  |  |
| 46 | Mon., Oct. 9 | Jer 28–30 | 1 Pet 4 | SD 6:9-16 |
|  | Tue., Oct. 10 | Jer 31–32 | 1 Pet 5 | SD 6:17-26 |
|  | Wed., Oct. 11 | Jer 33–35 | 2 Pet 1 | SD 7:1-8 |
|  | Thu., Oct. 12 | Jer 36–38 | 2 Pet 2 | SD 7:9-19 |
|  | Fri., Oct. 13 | Jer 39–42 | 2 Pet 3 | SD 7:20-27 |
|  | Sat., Oct. 14 | Jer 43–46 |  |  |
| 47 | Mon., Oct. 16 | Jer 47–48 | 1 John 1 | SD 7:28-41 |
|  | Tue., Oct. 17 | Jer 49–50 | 1 John 2 | SD 7:42-51 |
|  | Wed., Oct. 18 | Jer 51–52 | 1 John 3 | SD 7:52-62 |
|  | Thu., Oct. 19 | Lam 1–2 | 1 John 4 | SD 7:63-72 |
|  | Fri., Oct. 20 | Lam 3–5 | 1 John 5 | SD 7:73-84 |
|  | Sat., Oct. 21 | Ezek 1–3 |  |  |
| 48 | Mon., Oct. 23 | Ezek 4–6 | 2 John | SD 7:85-97 |
|  | Tue., Oct. 24 | Ezek 7–10 | 3 John | SD 7:98-106 |
|  | Wed., Oct. 25 | Ezek 11–13 | Jude | SD 7:107-119 |
|  | Thu., Oct. 26 | Ezek 14:1–16:30 | Rev 1 | SD 7:120-8:6 |
|  | Fri., Oct. 27 | Ezek 16:31–18:32 | Rev 2 | SD 8:7-19 |
|  | Sat., Oct. 28 | Ezek 19–20 |  |  |
| 49 | Mon., Oct. 30 | Ezek 21–22 | Rev 3 | SD 8:20-30 |
|  | Tue., Oct. 31 | Ezek 23–24 | Rev 4 | SD 8:31-43 |
|  | Wed., Nov. 1 | Ezek 25–27 | Rev 5 | SD 8:44-53 |
|  | Thu., Nov. 2 | Ezek 28–30 | Rev 6 | SD 8:54-63 |
|  | Fri., Nov. 3 | Ezek 31–33 | Rev 7 | SD 8:64-75 |
|  | Sat., Nov. 4 | Ezek 34–36 |  |  |
| 50 | Mon., Nov. 6 | Ezek 37–38 | Rev 8 | SD 8:76-86 |
|  | Tue., Nov. 7 | Ezek 39–40 | Rev 9 | SD 8:87-9:3 |
|  | Wed., Nov. 8 | Ezek 41–43 | Rev 10 | SD 10:1-13 |
|  | Thu., Nov. 9 | Ezek 44–46 | Rev 11 | SD 10:14-25 |
|  | Fri., Nov. 10 | Ezek 47–48 | Rev 12 | SD 10:26-11:3 |
|  | Sat., Nov. 11 | Dan 1–3 |  |  |
| 51 | Mon., Nov. 13 | Dan 4–6 | Rev 13 | SD 11:4-14 |
|  | Tue., Nov. 14 | Dan 7–9 | Rev 14 | SD 11:15-27 |
|  | Wed., Nov. 15 | Dan 10–12 | Rev 15 | SD 11:28-36 |
|  | Thu., Nov. 16 | Hos 1–4 | Rev 16 | SD 11:37-47 |
|  | Fri., Nov. 17 | Hos 5–9 | Rev 17 | SD 11:48-64 |
|  | Sat., Nov. 18 | Hos 10–14 |  |  |
| 52 | Mon., Nov. 20 | Joel 1–3 | Rev 18 | SD 11:65-77 |
|  | Tue., Nov. 21 | Amos 1–4 | Rev 19 | SD 11:78-86 |
|  | Wed., Nov. 22 | Amos 5–9 | Rev 20 | SD 11:87-12:4 |
|  | Thu., Nov. 23 | Obad, Jonah 1–4 | Rev 21 | SD 12:5-27 |
|  | Fri., Nov. 24 | Micah 1–7 | Rev 22 | SD 12:28-40 |
|  | Sat., Nov. 25 | Nah 1–3 |  |  |
| 53 | Mon., Nov. 27 | Hab 1–3 |  |  |
|  | Tue., Nov. 28 | Zeph 1–3 |  |  |
|  | Wed., Nov. 29 | Hagg. 1–2, Zech 1–3 |  |  |
|  | Thu., Nov. 30 | Zech 4–8 |  |  |
|  | Fri., Dec. 1 | Zech 9–14 |  |  |
|  | Sat., Dec. 2 | Mal 1–4 |  |  |

**Luther’s Small Catechism**

**Holy Baptism**

**Week 1 — Baptism: First**

*What is Baptism?*

Baptism is not just plain water, but it is the water included in God’s command and connected to God’s Word.

*Which is that Word of God?*

Our Lord Christ says in the last chapter of Matthew: “Go into all the world, teach all nations and baptize them in the name of the Father and of the Son and of the Holy Spirit.”

**Week 2 — Baptism: Second**

*What does Baptism give or profit?*

It works forgiveness of sins, delivers from death and the devil, and gives eternal salvation to all who believe this, as the words and promise of God declare.

*Which are these words and promise of God?*

Our Lord Christ says in the last chapter of Mark: “He who believes and is baptized will be saved, but he who does not believe will be condemned.”

**Week 3 — Baptism: Third, Part 1**

*How can water do such great things?*

Certainly water does not do it, but the word of God that is with and in the water, and faith that trusts this word of God in the water. For without God’s word the water is plain water and no Baptism. But with the word of God it is a Baptism, that is, a water of life, rich in grace, and a washing of regeneration in the Holy Spirit.

**Week 4 — Baptism: Third, Part 2**

As St. Paul says to Titus in chapter three: “Through the washing of regeneration and renewal of the Holy Spirit, whom He poured out on us richly through Jesus Christ our Savior, so that we might be justified and made heirs of eternal life according to hope. This is most certainly true.”

**Week 5 — Baptism: Fourth, Part 1**

*What does such baptizing with water mean?*

It means that the Old Adam in us, with all sins and evil desires, should, by daily contrition and repentance, be drowned and die; and that a New Man, in turn, should daily emerge and arise to live before God in righteousness and purity forever.

**Week 6 — Baptism: Fourth, Part 2**

*Where is this written?*

St. Paul writes to the Romans in chapter six: “We were buried with Christ through Baptism into death, in order that, just as Christ was raised from the dead through the glory of the Father, we, too, should walk in newness of life.”

**Confession**

**Week 7 — Confession, Part 1**

Confession consists of two parts. First, that a person confesses his sins. Second, that a person receives absolution or forgiveness from the confessor, as from God Himself, not doubting, but firmly believing that his sins are thereby forgiven before God in heaven.

**Week 8 — Confession, Part 2**

*Which sins should a person confess?*

Before God, we should plead guilty of all sins, including the ones we are not aware of, as we do in the Lord’s Prayer. But before the confessor we should only confess those sins that we know and feel in our hearts.

**Week 9 — Confession, Part 3**

*Which are these?*

Consider your station according to the Ten Commandments. Are you a father, mother, son, daughter, master, mistress, or servant? Have you been disobedient, unfaithful, or lazy? Have you hurt anyone with words or deeds? Have you stolen, been negligent or careless, caused any harm?

**The Table of Duties**

**Week 10 — Table of Duties, Part 1**

**Bishops, Pastors and Preachers**

A bishop must be blameless, the husband of one wife, temperate, sober-minded, of good behavior, hospitable, able to teach; not given to wine, not violent, not greedy for money, but gentle, not quarrelsome, not covetous;  one who rules his own house well, having his children in submission with all reverence; not a novice; one who holds fast the faithful word as he has been taught, that he may be able, by sound doctrine, both to exhort and convict those who contradict (1 Tim. 3[:2-4, 6a; Titus 1:9]).

**Week 11 — Table of Duties, Part 2**

**Secular Authorities**

Let every soul be subject to the governing authorities. For there is no authority except from God, and the authorities that exist are appointed by God. Therefore whoever resists the authority resists the ordinance of God, and those who resist will bring judgment on themselves. For he does not bear the sword in vain; for he is God’s minister, an avenger to execute wrath on him who practices evil (Rom. 13[:1-4]).

**Week 12 — Table of Duties, Part 3**

**Husbands**

Husbands dwell with your wives with understanding, giving honor to the wife, as to the weaker vessel, and as being heirs together of the grace of life, that your prayers may not be hindered (1 Pet. 3[:7]). And do not be bitter toward them (Col. 3[:19]).

**Wives**

Wives, submit to your own husbands, as to the Lord, as Sarah obeyed Abraham, calling him lord, whose daughters you are if you do good and are not afraid with any terror (1 Pet. [3:6; Eph. 5:22]).

**Parents**

Fathers, do not provoke your children to wrath, lest they become discouraged, but bring them up in the training and admonition of the Lord (Eph. 6[:4; Col. 3:21]).

**Children**

Children, obey your parents in the Lord, for this is right. “Honor your father and mother,” which is the first commandment with promise: “that it may be well with you and you may live long on the earth” (Eph. 6[:1-3]).

**Week 13 — Table of Duties, Part 4**

**Manservants, Maidservants, Hired Hands and Workers, etc.**

Bondservants, be obedient to those who are your masters according to the flesh, with fear and trembling, in sincerity of heart, as to Christ; not with eyeservice, as men-pleasers, but as bondservants of Christ, doing the will of God from the heart, with goodwill doing service, as to the Lord, and not to men, knowing that whatever good anyone does, he will receive the same from the Lord, whether he is a slave or free [(Eph. 6:5-8)].

**Household Masters and Mistresses**

Masters, do the same things to them, giving up threatening, knowing that your own Master also is in heaven, and there is no partiality with Him (Eph. 6[:9]).

**Week 14 — Table of Duties, Part 5**

**The Youth in General**

Younger people, submit yourselves to your elders, and be clothed with humility, for “God resists the proud, But gives grace to the humble.” Therefore humble yourselves under the mighty hand of God, that He may exalt you in due time (1 Pet. 5[:5-6]).

**Widows**

Now she who is really a widow, and left alone, trusts in God and continues in supplications and prayers night and day.  But she who lives in pleasure is dead while she lives (1 Tim. 5[:5-6]).

**All in Common**

All the commandments are summed up in this saying, namely, “You shall love your neighbor as yourself” (Rom. 13[:9]). Persevere in prayerfor all men (1 Tim. 2[:1]).

**The Sacrament of the Altar**

**Week 15 — Sacrament of the Altar, Part 1**

*What is the Sacrament of the Altar?*

It is the true body and blood of our Lord Jesus Christ under the bread and wine, instituted by Christ Himself for us Christians to eat and to drink.

**Week 16 — Sacrament of the Altar, Part 2**

*Where is this written?*

The holy Evangelists Matthew, Mark, Luke, and St. Paul write: Our Lord Jesus Christ, on the night when He was betrayed, took bread, and when He had given thanks, He broke it and gave it to the disciples and said: “Take, eat; this is My body, which is given for you. This do in remembrance of Me.” In the same way also He took the cup after supper, and when He had given thanks, He gave it to them, saying, “Drink of it, all of you; this cup is the new testament in My blood, which is shed for you for the forgiveness of sins. This do, as often as you drink it, in remembrance of Me.”

**Week 17 — Sacrament of the Altar, Part 3**

*What is the benefit of this eating and drinking?*

That is shown us by these words, “Given and shed for you for the forgiveness of sins,” namely, that in the Sacrament forgiveness of sins, life, and salvation are given us through such words. For where there is forgiveness of sins, there is also life and salvation.

**Week 18 — Sacrament of the Altar, Part 4**

*How can bodily eating and drinking do such great things?*

Certainly it is not the eating and drinking that do these things, but the words written here: “Given and shed for you for the forgiveness of sins.” These words, along with the bodily eating and drinking, are the main thing in the Sacrament. Whoever believes these words has exactly what they say and declare: “forgiveness of sins.”

**Week 19 — Sacrament of the Altar, Part 5**

*Who receives this sacrament worthily?*

Fasting and bodily preparation are certainly fine outward discipline. But he is truly worthy and well prepared who has faith in these words: “Given and shed for you for the forgiveness of sins.” But he who does not believe these words or doubts them is unworthy and unprepared. For the words “for you” require nothing but believing hearts.

**The Ten Commandments**

**Week 20 — The First Commandment**

**You shall have no other gods.**

*What does this mean?*

We should fear, love, and trust in God above all things.

**Week 21 — The Second Commandment**

**You shall not misuse the name of the Lord your God.**

*What does this mean?*

We should fear and love God so that we do not curse, swear, practice witchcraft, lie, or deceive by His name, but call upon it in every trouble, pray, praise, and give thanks.

**Week 22 — The Third Commandment**

**You shall sanctify the Sabbath day.**

*What does this mean?*

We should fear and love God so that we do not despise preaching and His Word, but hold it sacred and gladly hear and learn it.

**Week 23 — The Fourth Commandment**

**You shall honor your father and your mother.**

*What does this mean?*

We should fear and love God so that we do not despise our parents and rulers, but honor them, serve and obey them, love and respect them.

**Week 24 — The Fifth Commandment**

**You shall not murder.**

*What does this mean?*

We should fear and love God so that we do not hurt or harm our neighbor in his body, but help and support him in every bodily need.

**Week 25 — The Sixth Commandment**

**You shall not commit adultery.**

*What does this mean?*

We should fear and love God so that we lead a chaste and decent life in word and deed, and each one love and honor his spouse.

**Week 26 — The Seventh Commandment**

**You shall not steal.**

*What does this mean?*

We should fear and love God so that we do not take our neighbor’s money or property, nor get them with deceitful products or dealings, but help him to improve and protect his property and income.

**Week 27 — The Eighth Commandment**

**You shall not give false testimony against your neighbor.**

*What does this mean?*

We should fear and love God so that we do not tell lies about our neighbor, betray him, slander him, or harm his reputation, but excuse him, speak well of him, and put the best construction on everything.

**Week 28 — The Ninth Commandment**

**You shall not covet your neighbor's house.**

*What does this mean?*

We should fear and love God so that we do not cheat our neighbor out of his inheritance or house, or get it in a way that outwardly appears to be legal, but help and be of service to him in keeping it.

**Week29 — The Tenth Commandment**

**You shall not covet your neighbor’s wife, his manservant, maidservant, or livestock, or anything that is his.**

*What does this mean?*

We should fear and love God so that we do not estrange or drive away from our neighbor his wife, servants, or livestock, or persuade them to forsake him, but urge them to stay and do their duty.

**Week 30 — Close, Part 1**

He says, “I, the Lord your God, am a jealous God, who visits the sin of the fathers upon their children who hate Me, to the third and fourth generation. But to those who love Me and keep My commandments I do good for a thousand generations.”

**Week 31 — Close, Part 2**

*What does this mean?*

God threatens to punish all who transgress these commandments. Therefore, we should fear His wrath and not do anything against them. But He promises grace and every blessing to all who keep these commandments. Therefore, we should also love and trust in Him and gladly act according to His commandments.

**The Creed**

**Week 32 — The Creed, First Article, Part 1**

**I believe in God, the Father Almighty, Maker of heaven and earth.**

*What does this mean?*

I believe that God has made me and all creatures; that He has given me my body and soul, eyes, ears, and all my members, my reason and all my senses, and still preserves them.

**Week 33 — The Creed, First Article, Part 2**

He also richly and daily provides me with clothing and shoes, food and drink, house and yard, wife and children, land, cattle, and all that I have—with all that I need to nourish and support this body and life. He defends me against all danger and guards and protects me from all evil.

**Week 34 — The Creed, First Article, Part 3**

All this He does purely out of fatherly, divine goodness and mercy, without any merit or worthiness in me. For all this it is my duty to thank and praise, to serve and obey Him. This is most certainly true.

**Week 35 — The Creed, Second Article, Part 1**

**And in Jesus Christ, His only Son, our Lord; who was conceived by the Holy Spirit, born of the Virgin Mary; suffered under Pontius Pilate, was crucified, died and was buried; He descended into hell; the third day He rose again from the dead; He ascended into heaven and sits on the right hand of God the Father Almighty; from there He shall come to judge the living and the dead.**

*What does this mean?*

I believe that Jesus Christ, true God, begotten of the Father from eternity, and also true man, born of the Virgin Mary, is my Lord.

**Week 36 — The Creed, Second Article, Part 2**

Who has redeemed me, a lost and condemned person, purchased and won me from all sins, from death, and from the power of the devil; not with gold or silver, but with His holy, precious blood and with His innocent suffering and death,

**Week 37 — The Creed, Second Article, Part 3**

That I should be His own and live under Him in His kingdom and serve Him in everlasting righteousness, innocence, and blessedness, just as He is risen from death, lives and reigns for all eternity. This is most certainly true.

**Week 38 — The Creed, Third Article, Part 1**

**I believe in the Holy Spirit; the holy Christian Church, the communion of saints; the forgiveness of sins, the resurrection of the body; and the life everlasting. Amen.**

*What does this mean?*

I believe that I cannot by my own reason or strength believe in Jesus Christ, my Lord, or come to Him;

**Week 39 — The Creed, Third Article, Part 2**

But the Holy Spirit has called me by the Gospel, enlightened me with His gifts, sanctified and kept me in the true faith; even as He calls, gathers, enlightens, and sanctifies the whole Christian Church on earth, and keeps it with Jesus Christ in the one true faith.

**Week 40 — The Creed, Third Article, Part 3**

In this Christian Church He daily and richly forgives all sins to me and all believers, and at the Last Day He will raise me and all the dead, and will give eternal life to me and all believers in Christ. This is most certainly true.

**The Lord’s Prayer**

**Week 41 — Lord’s Prayer: Our Father**

**Our Father, who art in Heaven.**

*What does this mean?*

With these words, God tenderly invites us to believe that He is our true Father and that we are His true children, so that with all boldness and confidence we may ask Him as dear children ask their dear father.

**Week 42 — Lord’s Prayer: First Petition, Part 1**

**Hallowed be Thy name.**

*What does this mean?*

God’s name is certainly holy in itself, but we pray in this petition that it may be holy among us also.

**Week 43 — Lord’s Prayer: First Petition, Part 2**

*How is this done?*

When the Word of God is purely and plainly taught, and we, as the children of God, also lead holy lives according to it. Help us to do this, dear Father in heaven! But anyone who teaches or lives contrary to God's Word profanes the name of God among us. Protect us from this, heavenly Father!

**Week 44 — Lord’s Prayer: Second Petition, Part 1**

**Thy Kingdom come.**

*What does this mean?*

The kingdom of God certainly comes by itself without our prayer, but we pray in this petition that it may come to us also.

**Week 45 — Lord’s Prayer: Second Petition, Part 2**

*How is this done?*

When our heavenly Father gives us His Holy Spirit, so that by His grace we believe His holy Word and lead godly lives here in time and there in eternity.

**Week 46 — Lord’s Prayer: Third Petition, Part 1**

**Thy will be done on earth as it is in Heaven.**

*What does this mean?*

The good and gracious will of God is done even without our prayer, but we pray in this petition that it may be done among us also.

**Week 47 — Lord’s Prayer: Third Petition, Part 2**

*How is this done?*

When God breaks and hinders every evil counsel and will that does not want us to hallow God’s name or let His kingdom come—namely, the will of the devil, the world, and our flesh—but rather strengthens and keeps us firm in His Word and faith until we die. This is His good and gracious will.

**Week 48 — Lord’s Prayer: Fourth Petition, Part 1**

**Give us this day our daily bread.**

*What does this mean?*

God gives daily bread to all evil people, even without our prayer, but we pray in this petition that He would allow us to recognize this and to receive our daily bread with thanksgiving.

**Week 49 — Lord’s Prayer: Fourth Petition, Part 2**

*What is meant by daily bread?*

Everything that has to do with the nourishment and needs of the body, such as food, drink, clothes, shoes, house, yard, land, livestock, money, property, a godly spouse, godly children, godly servants, godly and faithful rulers, good government, good weather, peace, health, discipline, honor, good friends, faithful neighbors, and the like.

**Week 50 — Lord’s Prayer: Fifth Petition**

**Forgive us our trespasses as we forgive those who trespass against us.**

*What does this mean?*

We pray in this petition that our Father in heaven would not look at our sins and deny our prayer because of them, for we are neither worthy of the things for which we pray, nor have we deserved them; but we ask that He would give them all to us by grace, for we daily sin much and surely deserve only punishment. We, in turn, truly also wish to forgive from the heart and gladly do good to those who sin against us.

**Week 51 — Lord’s Prayer: Sixth Petition**

**And lead us not into temptation.**

*What does this mean?*

Certainly God tempts no one. We pray in this petition that God would guard and keep us so that the devil, the world, and our flesh may not deceive us or mislead us into false belief, despair, and other great shame and vice; and although we are troubled with these things, that we would nevertheless overcome and triumph in the end.

**Week 52 — Lord’s Prayer: Seventh Petition**

**But deliver us from evil.**

*What does this mean?*

We pray in this petition, in summary, that our Father in heaven would deliver us from every sort of evil of body and soul, of property and honor; and finally, when our last hour comes, give us a blessed end, and graciously take us from this valley of sorrows to Himself in heaven.

**Week 53 — Lord’s Prayer: Amen**

**Amen.**

*What does this mean?*

That I should be certain that these petitions are pleasing to our Father in heaven and are heard by Him; for He Himself has commanded us to pray in this way and has promised to hear us. Amen! Amen! That is, “Yes, yes, it shall be so!”